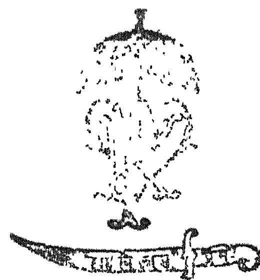
सुंदरीतिलक ।

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र संगृहीत ।

जिसको [illegible] के प्रेमी तथा रसिकजनों के मनोविनोद के लिये [illegible] सम्पादक श्री म० कु० बाबू रामदीन सिंह ने प्रकाशित किया ।



"खड्गविलास" प्रेस—बांकीपुर ।
[illegible] सिंह ने मुद्रित किया ।

१८९२ ई०

हरिश्चन्द्र संवत् ८.

प्रथम बार ५००] [मूल्य २॥) रुपया ।